बहुफसली बीज बुबाई एवं कटाई का समय चक्र

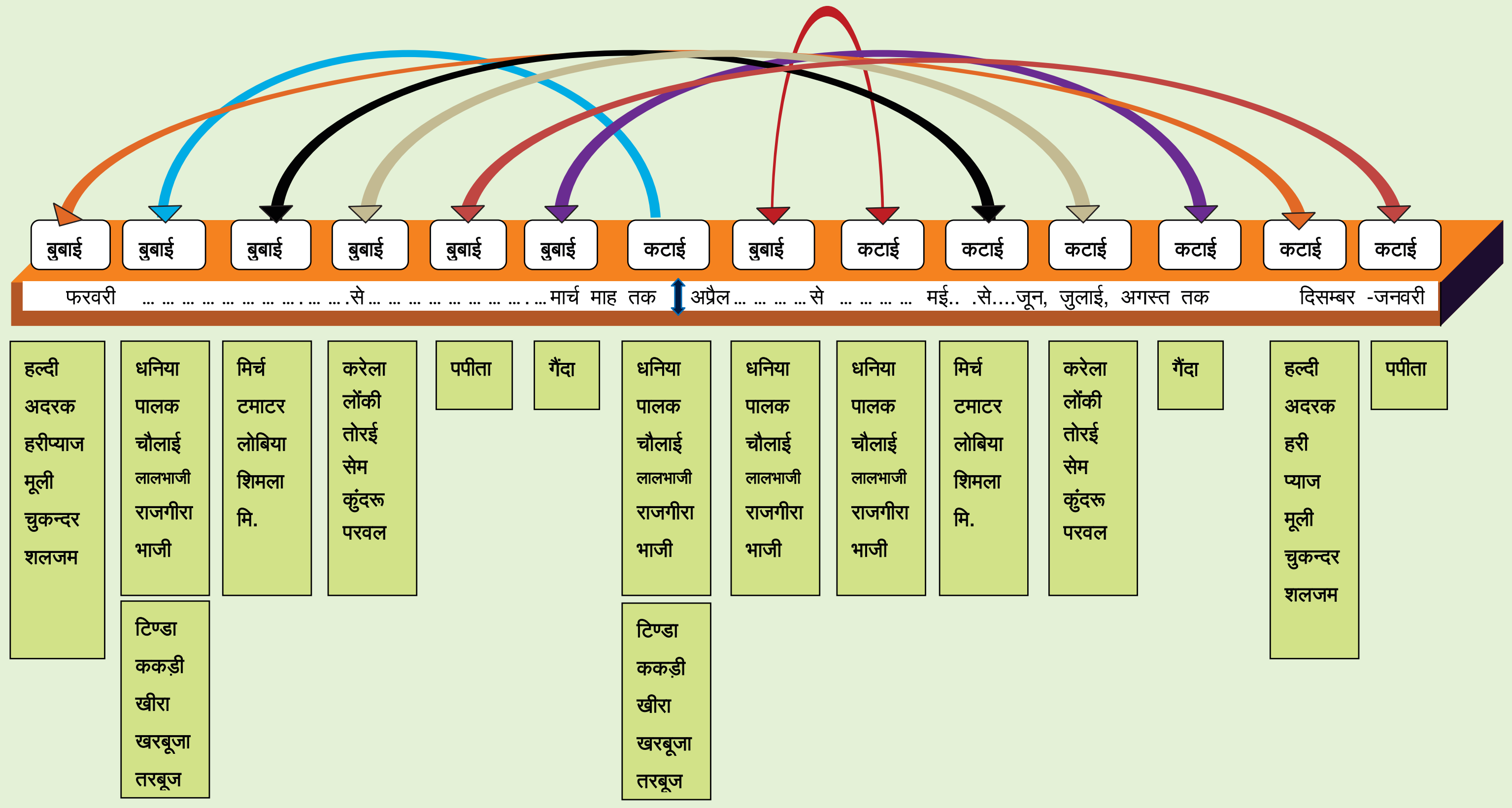

प्रकृतिक खेती के 7 प्रमुख घटक

1. देशी बीज का चयन एवं बीजाअमृत से बीज उपचार
2. लाइन से बीज बुबाई
3. संतुलित पोषण प्रबंधन- जीवामृत का उपयोग, घनजीवामृत का उपयोग
4. समेकित कीट प्रबंधन / प्राकृतिक कीटनाशी एवं फफूंदनाशी का उपयोग
5. जल प्रबंधन - ड्रिप, मल्चिंग, स्प्रिंकलर
6. फसल कटाई प्रबंधन एवं भण्डारण
7. उत्पाद का सामूहिक विक्रय / बाजार

Lead Organization

srijan सृजन
Self-Reliant Initiatives through Joint Action
www.srijanindia.org

Implementation Partners

CARD

CARD (Centre for Advance Research and Development) Newari (MP)

Arunoday Sansthan

Arunoday Sansthan Mahoba (UP)

Haritika for a greener cause

Haritika Jhansi (UP)/ Chhatarpur (MP)

Bundelkhand Sewa Sansthan

YKVM

Yuva Koushal Vikash Mandal Hamirpur (UP)

Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan Chitrakoot (UP)

srijan सृजन

Self-Reliant Initiatives through Joint Action

BIWAL

बहुस्तरीय खेती

Multilayer Farming

किसान डायरी

बहुस्तरीय खेती प्रारम्भ करने का माह एवं वर्ष:...................

किसान का नाम .... मोबाईल नं...............................

ग्राम ....विकास खण्ड.. जिला – टीकमगढ़ म.प्र.

बीजामृत

बीजामृत से 20 किलो बीजों को उपचार करने के लिए सामाग्री:
(1) 01 किलो गाय का ताजा गोबर **(2) 01** ली गौ मूत्र,
(3) 250 मिली दूध **(4) 25** ग्राम कली का चूना **(5)** मुठ्ठी भर मैड या पीपल के पेड के नीचे की मिटटी **(6) 12** ली पानी

↓

इन सभी सामग्री को एक मिट्टी के मटके में डाले, अब सभी को अच्छी तरह मिला लेवें

↓

इसके बाद मटके के मुँह को मिट्टी के ढक्कन या गोबर के कंडे से ढककर **2** दिन **(48** घण्टे**)** के लिए रख देवे

↓

अब बीज या पौध उपचारित करें

↓

इस तैयार घोल को बीजों पर इस प्रकार छिड़कते है ताकि एक हल्की परत बीजों पर जम जाये, उपचारित बीजों को छायादार स्थान पर सुखाये एवं उसी दिन बोनी अवश्य कर देवे।

↓

नर्सरी पौधों को खेत में लगाने से पूर्व पौधों की जड़ों को **5** मिनट बीजामृत घोल से उपचारित करें

↓

बीजामृत कल्चर से उपचारित बीजों का अंकुरण अच्छा होता है, साथ ही यह बीज की अनेक बीज जनित रोगों से रक्षा करता है।

जीवामृत

आवश्यक सामाग्री:
(1)10 किलो गाय का ताजा गोबर (2)10 ली गौ मूत्र (3) 01 किलोग्राम गुड़ (गुड़ पुराना हो तो अच्छा) (4) 01 किलोग्राम किसी भी दाल की चूरी या आटा (बेसन) (5) 500 ग्राम मैड या पीपल के पेड के नीचे की मिटटी (6)200 ली पानी

↓

इन सभी सामग्री को प्लास्टिक के ड्रम में अच्छी तरह मिला लेवें।
गुड़ और बेसन को ड्रम में मिलाने से पहले अलग अलग वर्तन में कम पानी मिलकर घोल बनाले।

↓

इस के बाद प्लास्टिक ड्रम के मुँह को कपडे से बांधकर 48 घंटों के लिए छाव वाले स्थान पर रख देवे।
इस मिश्रण को रोज लाठी से दो बार हिलाये,

↓

48 घंटों के बाद हमें एक उत्तम तरल जीवाणु खाद (जीवामृत) प्राप्त हो जायेगा।

↓

जीवामृत तरल खाद का प्रयोग 7 से 13 दिनों तक किया जा सकता है। बारिश एवं प्रकाश से बचाये।

↓

जीवामृत का फसलों पर छिड़काव: जीवामृत तरल जीवाणु खाद घोल को सूती कपडे से छानकर सभी प्रकार की फसलों पर छिड़काव करें।जीवामृत के छिड़काव से पौधो में फूल एवं फलों में बृद्धि एवं विकास होता है।

↓

ड्रैंचिंग विधि: 200 लीटर जीवामृत प्रति एकड़ क्षेत्र में सभी फसलों में सिंचाई के पानी के साथ बहाकर मिटटी में प्रयोग करने के लिए पर्याप्त है। ड्रिप सिचाई के माध्यम से या ड्रम में नल लगाकर खेत में बराबर मात्रा में बहाये।

घनजीवामृत

1. आवश्यक सामाग्री:
(1) 100 किलो देशी गाय का गोबर या गाय **+** बैल का भी
(2) 01 किलो गुड़ या मीठे फलों का गूंदा। **(3) 01** किलो बेसन किसी भी दाल का
(4) अगर गोबर सूखा है तो थोड़ा गौमूत्र डाले.

↓

2. उपरोक्त सभी सामग्री को छायादार स्थान पर फावड़े की सहायता से अच्छी तरह से मिलाये, अगर गोबर सूखा होतो गौ मूत्र मिलाये फिर **2** दिन **(48** घण्टे**)** तक ढेर बनाकर रखें।

↓

3. धूप में पतला स्तर कर सुखाये दिन में दो बार उलट पलट करें, ताकि सूरज की रोशनी बराबर मिले।

↓

4. इसके बाद लकड़ी के टुकड़े से पीटकर पाउडर बनाले और रेत की छलनी से छानलें।

↓

5. जूट या प्लास्टिक की बोरीओं में भरकर संग्रहित करें। भण्डार के समय बोरी को सीधे जमीन पर नहीं लकड़ी के तख्त पर रखें, एवं धूप से बचाये। इसे एक वर्ष तक स्तेमाल कर सकते है।

↓

6. उपयोग कैसे करें
(1) 300 किलोग्राम मात्रा घनजीवामृत प्रति एक एकड़ भूमि के लिये पर्याप्त है बीज बुबाई से पहले भूमि में मिलाये। **(2)** खड़ी फसलों में जैसे - सब्जी एवं फलदार पौधे की जड़ों के आस पास मिट्टी में मिलकर डाले।

घनजीवामृत बनाते हुए

किस महीने लगाये कौनसी सब्जी फसल (वार्षिक कैलेंडर)

क्र.	बुबाई का समय	बुबाई के अनुसार फसलों के प्रकार															
		1st Layer			2nd Layer			3rd Layer			4th Layer			5th Layer		अन्य	
		पहला स्तर मिट्टी के नीचे के सतह में फल देने वाली फसलें **(कन्द वाली फसलें)**	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**दूसरा स्तर** मिट्टी की ऊपरी सतह पर फलने वाली फसलें **(पत्तेदार सब्जी फसलें)**	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**(तृतीय स्तर)** माध्यम वृद्धि बेल वाली फसलें	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**चौथा स्तर** अधिक वृद्धि वाली बेल फसलें	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**पाँचवा स्तर,** फलदार पौधे	**ट्रैप फसल, सीमा फसल**	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)
1	फरवरी से मार्च,	**हल्दी**	30×10	210-240	**धनिया**	सघन	40-45	**मिर्च**	60x60	210	**कुंदरू**	6x5 फिट	85-90	**पपीता** (लाइन से लाइन एवं पौधे से पौधे की दूरी 15x 15 फिट)	गैंदा	30x30	55-60
		अदरक	25×25	240-270	**पालक**	सघन	40-45	**टमाटर**	60x60	140-145	**परवल**	6x5 फिट			सहजन	2×2 मी.	फूल आने के 45-60 दिनों बाद फलियों की तुड़ाई
		हरी प्याज	5x5	30-35	**लालभाजी**	सघन	25-75	**शिमला मिर्च**	30x30	55-60	**करेला**	60x60	55-60		01. गेंदा की फसल ट्रैप फसल जिसे मण्डप के अंदर सिंचाई नाली एवं किनारों पर दूर-दूर रोपण करें। यह चूसक कीट एवं निमेटोड को नियंत्रित करेगी। 02. सहजन के पौधे मण्डप के बाहर सीमा फसल के रूप में रोपण करें।		
		मूली	15×10	30-45	**राजगीरा भाजी**	सघन	120-135	**लोबिया**	30x30	45-50	**तोरई (फतकुल)**	60x60	70-80				
		जिन क्यारियों में कन्द वाली फसल नहीं लगाई गयी हो उनमें यह फसल लगाये।			**चौलाई**	सघन	25-75				**लौंकी**	60x60	60-120				
					टिण्डा	60x60	50-60		01. चौथे परत के रूप में कुन्दरू,परवल, और करेला फसलों को मण्डप के अन्दर बनी क्यारी के बीचों - बीच प्रत्येक बाँस की खड़ी बल्ली के आस- पास बुबाई करें ताकि मण्डप के ऊपर आधी छाँव और आधी धूप सुनिश्चित हो सके। 02. चौथे परत के रूप में लौकी, तोरई फसलों को मण्डप के बाहरी सीमा पर बनी क्यारी में एक-एक मीटर या अधिक दूरी पर बुबाई करें ताकि मण्डप के ऊपर इन फसलों की अधिक छाया ना पड़े।								
					ककड़ी	60x60	90-105										
					खरबूजा	1.5×1मी.	85-115										
					खीरा	60x60	40-50										
					तरबूज	3×1 मी.	115-120										

किस महीने लगाये कौनसी सब्जी फसल (वार्षिक कैलेंडर)

क्र.	बुबाई का समय	बुबाई के अनुसार फसलों के प्रकार															
		1st Layer			2nd Layer			3rd Layer			4th Layer			5th Layer	अन्य		
		पहला स्तर मिट्टी के नीचे के सतह में फल देने वाली फसलें **(कन्द वाली फसलें)**	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**दूसरा स्तर** मिट्टी की ऊपरी सतह पर फलने वाली फसलें **(पत्तेदार सब्जी फसलें)**	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**(तृतीय स्तर)** माध्यम वृद्धि बेल वाली फसलें	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**चौथा स्तर** अधिक वृद्धि वाली बेल फसलें	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	**पाँचवा स्तर,** फलदार पौधे	**ट्रैप फसल, सीमा फसल**	**फसल अन्तरण** (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)
2	जून - जुलाई	**हल्दी**	30×10	210-240	**खरबूजा**	1.5×1 मी.	85-115	**टमाटर**	60x60	140-145	**कुंदरू**	6x5 फिट	85-90	पपीता (लाइन से लाइन एवं पौधे से पौधे की दूरी 15x 15 फिट	गैंदा	30x30	130-150
		अदरक	25×25	240-270	**पत्ता गोभी**	45x45	50-60	**मिर्च**	60x60	210	**परवल**	6x5 फिट	120-140				
		जिन क्यारियों में कन्द वाली फसल नहीं लगाई गयी हो उनमें यह फसल लगाये,			जिन क्यारियों में कन्द वाली फसल लगाई उन क्यारियों के बीचों बीच एक लाइन टमाटर या मिर्च फसल की पौध का रोपण करें।						**पड़ोरा (ककोड़ा)**	6x5 फिट	55-60		**सहजन**	2×2 मी.	फूल आने के 45-60 दिनों बाद फलियों की तुड़ाई
		03. चौथे परत के रूप में कुन्दरू,परवल, ककोड़ा और करेला फसलों को मण्डप के अन्दर बनी क्यारी के बीचों - बीच प्रत्येक बाँस की खड़ी बल्ली के आस- पास बुबाई करें ताकि मण्डप के ऊपर आधी छाँव और आधी धूप सुनिश्चित हो सके। 04. चौथे परत के रूप में लौकी, तोरई और सेम फसलों को मण्डप के बाहरी सीमा पर बनी क्यारी में एक-एक मीटर या अधिक दूरी पर बुबाई करें ताकि मण्डप के ऊपर इन फसलों की अधिक छाया ना पड़े।									**करेला**	60x60	55-60		01. गेंदा की फसल एक कीट नियंत्रण हेतु ट्रैप फसल जिसे मण्डप के अंदर सिंचाई नाली एवं किनारों पर दूर-दूर रोपण करें। यह फसल चूसक कीट एवं निमेटोड को नियंत्रित करेगी। 02. सहजन के पौधे मण्डप के बाहर सीमा फसल के रूप में रोपण करें।		
											लौंकी	90x90	60-120				
											तोरई	90x90	70-80				
											सेम	90x90	120-150				

किस महीने लगाये कौनसी सब्जी फसल (वार्षिक कैलेंडर)

क्र.	बुबाई का समय	बुबाई के अनुसार फसलों के प्रकार															
		1st Layer			2nd Layer			3rd Layer			4th Layer			5th Layer	अन्य		
		पहला स्तर मिट्टी के नीचे के सतह में फल देने वाली फसलें (कन्द वाली फसलें)	फसल अन्तरण (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	दूसरा स्तर मिट्टी की ऊपरी सतह पर फलने वाली फसलें (पत्तेदार सब्जी फसलें)	फसल अन्तरण (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	(तृतीय स्तर) माध्यम वृद्धि बेल वाली फसलें	फसल अन्तरण (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	चौथा स्तर अधिक वृद्धि वाली बेल फसलें	फसल अन्तरण (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)	पाँचवा स्तर, फलदार पौधे	ट्रैप फसल, सीमा फसल	फसल अन्तरण (से.मी.में)	फसल समाप्ति की अवधि (दिनों में)
3	अगस्त, सितम्बर	हरी प्याज	30×15	30-35	धनिया	सघन	40-45	मटर	30x10	60-75	कुंदरू	6x5 फिट	85-90	पपीता (लाइन से लाइन एवं पौधे से पौधे की दूरी 15x 15 फिट	गैंदा	30x30	130-150
		मूली	15×10	30-45	मैथी	सघन	40-45	टमाटर	60x60	140-145	परवल	6x5 फिट	120-140		सहजन	2×2 मी.	45-60
		हरी लहसुन	15×10	30-45	चने की भाजी	सघन	40-45	जिन क्यारियों में कन्द वाली फसल लगाई उन क्यारियों के बीचों बीच एक लाइन टमाटर या मटर फसल की पौध का रोपण करें।			करेला	90x90	55-60		03. उपरोक्तानुसार नियम है		
		गाजर	15×7.5	90-100	पालक	सघन					तोरई	90x90	70-80				
		शलजम	30x15	45-70	ब्रोकली	30x20	45-70				लौंकी	90x90	60-120				
		चुकन्दर	30x15	50-60	गाँठ गोभी	30x20	50-60				उपरोक्त जून -जुलाई माह की बुबाई अनुसार नियम।						
					पत्ता गोभी	45x45	50-60										
					फूल गोभी	30x20	110-120										
4	अक्टूम्बर नबम्बर, दिसम्बर	हरी प्याज	15×10	30-35	मैथी	सघन	40-45	मटर	30x10	60-75	करेला	90x90	55-60	पपीता (लाइन से लाइन एवं पौधे से पौधे की दूरी 15 x 15 फिट	गैंदा	30x30	130-150
		मूली	15×10	30-45	पालक	सघन	40-45	टमाटर	60x60	140-145	लौंकी	90x90	60-120		सहजन	2×2 मी.	45-60
		गाजर	15×10	90-100	चौलाई	सघन	25-75	जिन क्यारियों में कन्द वाली फसल लगाई उन क्यारियों के बीचों बीच एक लाइन टमाटर या मटर फसल की पौध का रोपण करें।			तोरई	90x90	70-80		उपरोक्तानुसार नियम है		
		शलजम	30x15	45-70	धनिया	सघन	40-45				उपरोक्त जून -जुलाई माह की बुबाई अनुसार नियम।						
					पत्ता गोभी	45×45	**50-60**										
					ककड़ी	30x30	90-105										
					खीरा	60x60	90-105										
					तरबूज	3×1 मी.	115-120										

प्राकृतिक पौध वर्धक

क्रं	विकल्प	प्रयोग विधि	लाभ एवं कार्य
1	जीवामृत	जीवामृत (200 ली. पानी में बना हुआ घोल) का छिड़काव 05 से 07 दिन के अन्तर से खड़ी फसलों पर करें या सिंचाई के साथ बहाये या पौधो की जड़ों के आस पास ड्रैंचिंग करें।	जीवामृत तरल रूप में एक सम्पूर्ण खाद है यह पौधों को संतुलित मात्रा में पोषण उपलब्ध करता है
2	ताजी छाछ	250 से 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह पौध वर्धक व रस चूसक कीटों पर नियंत्रण करता है जैसे -सफ़ेद मक्खी,माहू, थ्रिप्स
3	ताम्र योक्त छाछ	ताजी छाछ को किसी भी मिटटी या प्लास्टिक के वर्तन में एकत्रित कर तावाँ युक्त वस्तु जैसे: ताँवे का तार, या सिक्के डालदे।अब वर्तन का मुँह कपडे से बाँधकर लगभग 08 से10 दिन के लिये रखदे।जब छाछ का रंग सामान्य से नीला हो जाये तो समझे ताम्रयुक्त छाछ बनकर तैयार हो गया है। छाछ में ताम्रयुक्त फफूंदनाशी का गुण समाहित हो गया है। फसलों की छोटी अवस्था (02 माह से कम) में 250 मिलीलीटर और बड़ी अवस्था में 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह पौध वर्धक एवं विषाणु जन्य बीमायों पर नियंत्रण
4	दूध + हल्दी	500 मिलीलीटर दूध एवं 10 ग्राम हल्दी (एक चुटकी) प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें	यह पौध वर्धक एवं विषाणु जन्य बीमायों पर नियंत्रण जैसे - पाउडरी मिलडियो, चुरा-मुर्रा
5	पत्तियों का अर्क	गिरीपुष्प + सुरजना + चरोटा एवं अंकुरित अनाज की पत्तियों बराबर मात्रा में लेवें। सभी पत्तियों को पीसकर रस निकालें। पत्तियों का अर्क 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें	पौध वर्धक
6	सोयाबीन टॉनिक	01किलोग्राम सोयाबीन बीजों को 24 घण्टों के लिए पानी में भिगोकर रखे।दाना फूलजाने पर बारीक पीसले फिर 250 ग्राम गुड़ एवं 04 ली. सादा पानी मिलकर 36 घण्टों तक सड़ने दे।**प्रयोग विधि:** इस घोल को छानकर 250 से 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	इसके छिड़काव से पौधों में वृद्धि और विकास अच्छा होता है एवं फूल- फलों में वृद्धि होती है।
7	गौ मूत्र	फसलों की बड़ी अवस्था में (02 माह से अधिक) 250 से 300 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह पौध वर्धक व रस चूसक कीटों व रोगों पर नियंत्रण करता है

प्राकृतिक विधि से कीट एवं रोग प्रबंधन

प्राकृतिक कीट नियंत्रक

क्रं	विकल्प	प्रयोग विधि	लाभ एवं कार्य
1	ताजी छाछ	250 से 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	रस चूसक कीटों पर नियंत्रण करता है जैसे - सफ़ेद मक्खी, माहू, थ्रिप्स
2	गौ मूत्र	250 से 300 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह सभी प्रकार के रस चूसक कीटों व रोगों पर नियंत्रण करता है
3	नीम का काढ़ा (निम्बोली)	250 से 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह सभी प्रकार के रस चूसक कीटों पर नियंत्रण करता है
4	नीम की पत्तियों का अर्क और गौ मूत्र	500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह सभी प्रकार के रस चूसक कीटों पर नियंत्रण करता है
5	पुरानी छाछ	250 से 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	इल्लियों पर नियंत्रण
6	हरी मिर्ची+ लहसुन + प्याज + अदरक का अर्क (GGOC)	250 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	यह मिली बग, थ्रिप्स, मच्छर, इल्ली, एवं रोगों पर नियंत्रण करता है
7	ब्रह्मास्त्र (पांच पत्ती काढ़ा)	मिट्टी या प्लास्टिक वर्तन में पांच प्रकार के पौधों की पत्तियाँ बराबर मात्रा में एकत्रत करें जैसे- नीम,अकाव,बेसरम,सीताफल,धतूरा या महुआ एक-एक किलों (05 किलो), 05 लीटर गौ मूत्र और 12 लीटर पानी लें. पत्तियों को बारीक कटिंग करके वर्त्तन में डाले, 05 दिनों तक रखें, फिर आधा रहने तक उबाले। कपडे से छानकर प्लास्टिक के बर्तन में भर कर रखे। **प्रयोग विधि:** पौधों की छोटी अवस्था में 250 मिलीलीटर, बड़े पौधों में 500 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	इल्लियों पर नियंत्रण
8	खलियां (नीम,अरण्डी,महुआ)	1 कुंटल खली प्रति 5 कुंटल गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ क्षेत्र में छीटकर उपयोग करें।	नीम की खली से दीमक ,सफ़ेद लट व मृदा जन्य रोग व कीटों पर नियंत्रण एवं पौधो को पोषण उपलब्ध करता है

खर्च का विवरण (रूपयों में)

क्र.	दिनांक	खरीदी गई सामग्री का नाम	सामग्री की संख्या	दर	राशि	भाडा/ किराया खर्च राशि	मजदुर संख्या	मजदुरी भुगतान राशि	कुल खर्च की गयी राशि

खर्च का विवरण (रूपयों में)

क्र.	दिनांक	खरीदी गई सामग्री का नाम	सामग्री की संख्या	दर	राशि	भाडा/ किराया खर्च राशि	मजदुर संख्या	मजदुरी भुगतान राशि	कुल खर्च की गयी राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

		फसल–1			फसल–2			फसल–3			फसल–4			फसल–5		
क्र.	दिनांक	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि

फसल उत्पादन का विवरण

फसल–6			फसल–7			फसल–8			फसल–9			फसल–10			कुल योग	
उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	दर/ किलो	राशि	उत्पादन (किलो में)	राशि